अतिरिक्त (1) दिल्ली और बम्बई केन्द्रों से पाठ्यचर्या उन्मुखी स्कूल दूरदर्शन कार्यक्रम नियमित रूप से टेलीकास्ट किए जा रहे हैं ; (2) दिल्ली, श्रीनगर तथा मद्रास केन्द्रों से समृद्धि उन्मुखी शैक्षणिक कार्यक्रम भी टेलीकास्ट किए जा रहे हैं तथा (3) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के कार्यक्रमों को भी समूचे संजाल के सभी अल्पशक्ति वाले तथा उच्च शक्ति वाले ट्रांसमीटरों द्वारा रिले किए जा रहे हैं ।

सातवीं पंचवर्षीय योजना के लिए अपने मसौदा प्रस्तावों में, आकाशवाणी ने स्कूल, विश्वविद्यालय तथा प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रमों में वृद्धि करने के लिए 46 और शैक्षणिक कार्यक्रम निर्माण यूनिटें स्थापित करने की स्कीमें शामिल की हैं। हाल ही में 10 आकाशवाणी केन्द्रों पर मंजूर की गई खेल यूनिटों की संख्या 12 और केन्द्रों को कवर करने के लिए बढ़ा दिए जाने की संभावना है। इन उपायों के फलस्वरूप, शिक्षा और खेल संबंधी कार्यक्रम व्यापक सेवा-क्षेत्र में उपलब्ध होंगे तथापि, इन स्कीमों का कार्यान्वयन सातवीं योजना के अंतिम स्वरूप तथा धनराशि के आवंटन पर निर्भर करेगा ।

दूरदर्शन का टेलीकास्ट समय सीमित है । दूरदर्शन अपना 35 प्रतिशत टेलीकास्ट समय पहले ही शैक्षणिक और खेल कार्यक्रमों को दे रहा है । अतिरिक्त शैक्षणिक और खेल कार्यक्रमों का टेलीकास्ट करना अधिक प्रेषण समय तथा आवश्यक साफ्टवेअर के लिए धनराशि की उपलब्धता पर निर्भर करेगा ।

शैक्षणिक कार्यक्रमों का प्रसारण, टेलीकास्ट करने तथा संगत सेवा में खेलों के कवरेज की व्यवस्था करने में आकाशवाणी केन्द्रों और दूरदर्शन केन्द्रों को अब भी विवेकाधिकार प्राप्त है ।

(ग) से (ङ) शैक्षणिक कार्यक्रमों के प्रसारण/टेलीकास्ट दो प्रकार के होते हैं :— औपचारिक और अनौपचारिक । पुराने कार्यक्रम पाठ्यक्रमोन्मुखी कार्यक्रम हैं । ये कार्यक्रम संबंधित प्राधिकारियों द्वारा निर्धारित पाठों और सबकों पर आधारित होते हैं । तथापि, अनौपचारिक किस्म के कार्यक्रम पशुपालन, कुटीर उद्योग, स्वास्थ्य, स्वच्छता, पोषण, दहेज जैसी सामाजिक बुराइयों, रोजगार के अवसरों, असाक्षरता का उन्मूलन आदि जैसे विविध विषयों को शैक्षणिक और सूचनात्मक समर्थन प्रदान करते हैं । इन कार्यक्रमों में नैतिक, शारीरिक तथा ग्रामीण शिक्षा जैसे विषयों को अब भी उपयुक्त रूप से कवर किया जाता है । आकाशवाणी और दूरदर्शन के संजाल पर इस समय प्रस्तुत किये जा रहे औपचारिक शैक्षणिक प्रसारणों/टेलीकास्टों के बारे में सूचना भाग (क) और (ख) के उत्तर में दे दी गई है । अनौपचारिक किस्म के प्रसारण/टेलीकास्ट कार्यक्रम आवश्यकताओं के अनुसार संजाल के सभी स्टेशनों और केन्द्रो द्वारा किए जाते हैं ।

Bungling in distribution of Water Melon Seeds

2920. DR. C. SILVERA: Will the Minister of AGRICULTURE AND RURAL DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the report published in Jansatta of the 14th July, 1985 of serious bungling in distribution of water-melon seed by scientists of I.A.R.I. New Delhi; and

(b) if so, the action taken by Government in the matter to punish the guilty?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OP RURAL DEVELOPMENT (SHRI CHANDULAL CHANDRAKAR): (a) In the issue of Jansatta dated 14th July. 1985, there is no mention about the serious bungling in distribution of Watermelon seed by the scientists of Indian Agricultural Research Institute, New Delhi.

(b) As such, no action in the matter is called for.